

भारतात्मा अशोकजी सिंघल उत्तम वेदवेदविद्यालय पुरस्कार-२०२३

आवेदन हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा विजेता के आंकलन का मूल आधार आपका आवेदन-पत्र ही है। इसलिए आप आवेदन पत्र में मांगी गई सभी जानकारी सोच-समझकर पूर्ण रूप से भरें। यदि कोई भी जानकारी अधूरी अथवा अपूर्ण रही तो आपका स्थान आंकलन में पिछड़ सकता है।

आवेदन पत्र भरने से पूर्व आवेदन हेतु योग्यताओं/नियमों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें

वेदवेदविद्यालय योग्यता के मानदण्ड

भारत में वेद वेदविद्यालय का सञ्चालन भारत/राज्य सरकार द्वारा, धार्मिक या दातव्य न्यास द्वारा, मन्दिर या मठ द्वारा, कुमाराध्यापक द्वारा या एक गुरु द्वारा अपने घर में, सभी प्रकार से होता है। यदि आप ऐसे कोई भी वेद वेदविद्यालय जहाँ श्रुति व वैदिक परम्परा से वेदाध्यापन होता है तो आपकी पात्रता है।

यदि आप उपर्युक्त परिभाषा से वेदविद्यालय हैं तब आपको भारतात्मा पुरस्कार के निम्नलिखित सभी योग्यता मानदण्डों को भी पूरा करना आवश्यक है। यदि इनमें से एक भी मानदण्ड आप पूरा नहीं करते हैं तो आपकी पात्रता नहीं है। यदि आपके मन में इन मानदण्डों के पूरा होने में कोई सन्देह है, तब आप अपना आवेदन यथायोग्य पूरा भरकर अवश्य भेजें, सिंघल फॉउण्डेशन उसका आंकलन करते समय आपसे संपर्क कर आपके आवेदनपत्र को संशोधित कर लेगा।

1. आपका वेदविद्यालय कम से कम बीस वर्ष से चल रहा है। यदि बीच की किसी अवधि में वेदविद्यालय बन्द रहा है परन्तु वेदविद्यालय में अध्यापन की कुल अवधि बीस वर्षों से अधिक है और पिछले पाँच वर्षों से निरन्तर चल रहा है, तब भी वेदविद्यालय योग्य है।
2. वेदविद्यालय में वेद का अध्यापन श्रुति परम्परा से होता रहा है।
3. यदि आपका वेदविद्यालय केन्द्र/राज्य सरकार, संस्था, न्यास, मन्दिर अथवा मठ द्वारा सञ्चालित है तो वर्तमान में वेदविद्यालय में न्यूनतम १ अध्यापक और ५ विद्यार्थी होने चाहिए।
4. यदि आपका वेदविद्यालय कुमाराध्यापक या गुरु द्वारा सञ्चालित गुरुकुल या गुरुगृह है तो वर्तमान में वेदविद्यालय में न्यूनतम १ अध्यापक और ३ विद्यार्थी होने चाहिए।
5. आपके वेदविद्यालय विगत पाँच वर्षों में उत्तम वेदविद्यालय की श्रेणी में भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार का विजेता नहीं रहा है। केवल पिछले पाँच वर्षों के विजेता वेदविद्यालय ही अपात्र माने जाएँगे, पूर्व आवेदक या विगत पाँच वर्षों में विद्यालय निरीक्षण चरण में पहुँचे वेदविद्यालय पात्र हैं।

आवेदन-पत्र भरने सम्बन्धित विशेष जानकारी

1. आपके आवेदन का उचित रूप से मूल्यांकन करने के लिए आवेदन पत्र में आपके वेदविद्यालय से सम्बन्धित व्यापक किन्तु आवश्यक जानकारी मांगी गई है। ये सभी जानकारी आपके आवेदन का आंकलन करने के लिए आवश्यक हैं। पूरी जानकारी और सभी अभिलेख/प्रमाण/अनुबन्ध उपलब्ध करना आवश्यक है।
2. आपका आवेदन-पत्र सिंघल फॉउण्डेशन के कार्यालय में ३० जून २०२३ सांयकाल ८ बजे तक पहुँच जाना चाहिए। विलम्ब से प्राप्त आवेदन इस वर्ष के पुरस्कार हेतु नहीं लिए जाएँगे। आवेदन नीचे दिए गए पते पर डाक या कूरियर अथवा नीचे दिए गए email ID पर ई-मेल से भेजे जा सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने पर आपको SMS/ email द्वारा सूचना भेजी जाएगी।
3. सिंघल फॉउण्डेशन का सारा कार्य हिन्दी में होता है इसलिए आवेदन-पत्र हिन्दी में ही भरें। यदि आप आवेदनपत्र हस्तलेखन से भर रहे हैं तो लिखाई स्पष्ट हो। आप चाहें तो आवेदन-पत्र निर्धारित प्रारूप में हिन्दी में टाईप करके भी भेज सकते हैं। यदि आप आवेदन-पत्र को टाईप कर भर रहे हैं तो कृपया पूरा आवेदन पत्र पूरी तरह और सही रूप से कॉपी करें।
4. आवेदन-पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि एवं काटछाँट न हो तथा प्रत्येक कॉलम में चाही गई जानकारी पूर्ण एवं स्पष्ट हो।
5. आवेदन-पत्र में आपसे विभिन्न प्रमाण-पत्र मांगे गए हैं। कृपया प्रत्येक प्रमाण-पत्र की फोटोकॉपी ही आवेदन के साथ भेजें। मूल (ऑरिजनल) प्रमाण-पत्रों को आवेदन के साथ नहीं भेजें। किसी के मूल प्रमाण-पत्र को वापस लौटाने का दायित्व सिंघल फॉउण्डेशन का नहीं होगा।
6. आवेदन-पत्र से संलग्न कोई प्रमाण-पत्र, सर्टिफिकेट, मार्कशीट इत्यादि, यदि हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी में न होकर किसी अन्य भाषा/लिपि में हो तो कृपया उस प्रमाणपत्र का विषय, विद्यार्थी का नाम व प्रमाण-पत्र की तारीख का हिन्दी/English अनुवाद उसकी फोटोकॉपी पर लिख दें। इससे सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा आंकलन में गलती होने की सम्भावना घटेगी।

- सभी जानकारी शब्दों अथवा अंकों में ही हो, रेखा या बिन्दु में नहीं हो। कोई भी आवश्यक कॉलम खाली नहीं छोड़ा जाए। आवेदन-पत्र में निर्धारित स्थान के अलावा अन्य किसी भी स्थान पर नाम, पता, सम्पर्कसंख्या अथवा किसी भी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित नहीं करें।
- आवेदन-पत्र में कुछ स्थानों पर आपसे मूल, क्रम, व घन अध्ययन के बारे में पूछा गया है। ये शिक्षा स्तर के द्योतक हैं। सभी वेद के लिए नीचे दी गई समकक्षता सारणी के अनुसार इन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

*वेदाध्ययन समकक्षता सूची

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अर्थवर्वेद
स्तर-1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मण	सम्पूर्ण अर्थवर्वेद संहिता, गोपथ ब्राह्मण, मुण्ड, माण्डुक्य उपनिषद्, माण्डुकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर-2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का समूर्ण पदपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अर्थवर्ज्योतिष, कौश्यनिधण्टु, पिङ्गलनागछन्दसूत्र, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षणभाष्य

- आवेदन-पत्र के भाग 'ऊ' में दिये गए शपथ-पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझने के बाद ही हस्ताक्षर करें।
- आवेदन भेजने के बाद यदि सम्पर्क अधिकारी के पते, मोबाइल न. या email ID में कोई परिवर्तन हो तो सिंघल फॉउण्डेशन को अविलम्ब सूचित करें। सूचना नीचे दिए गए मोबाइल न. पर SMS या email ID पर email द्वारा भेजी जा सकती है। मौखिक जानकारी स्वीकार नहीं होगी।
- Email से आवेदन भेजने के लिए पूरे आवेदन पत्र व सभी अनुबन्ध को scan कर pdf file बनाएँ। ध्यान रहे कि pdf file 3 MB से बड़ी न हो। यदि बड़ी है तो एक से अधिक pdf file बनाएँ। इस pdf file को applications@bharatatmapuraskar.org पर या व्हात्सप्प नं॰ +91 73576 58777 पर भेजें।
- Registered post, Speed post अथवा Courier से आवेदन पत्र निम्न पते पर भेजें। यदि Courier से भेज रहे हैं तो निम्न फोन न. देना ना भूलें।

सिंघल फॉउण्डेशन C/O सिक्योर मीटर्स लिमिटेड ई क्लास प्रताप नगर इण्डस्ट्रियल एरिया उदयपुर, राजस्थान 313009	Singhal Foundation C/O Secure Meters Ltd E Class Pratap Nagar Industrial Area Udaipur, Rajasthan 313001
फोन न. +91 73576 58777	Phone N. +91 73576 58777

कोड क्रमांक

(अ) सामान्य स्वरूप (प्रोफाइल)

१) पाठशाला का नाम व पूरा पता-

२) संस्था प्रमुख

३) मोबाईल नॉ.

४) ईमेल आई डी

५) वेबसाइट

६) इस आवेदन से सम्बन्धित प्रमुख सम्पर्क अधिकारी / संस्था प्रमुख-

क) नाम

ख) पूरा पता-

ग) मोबाईल नॉ.

घ) ईमेल आई डी

ङ) आवेदन सम्बन्धित चर्चा आपसे किस भाषा में की जाए?

हिन्दी

संस्कृतम्

English

७) संस्थापकों से सम्बन्धित जानकारी

यदि संस्था न्यास (ट्रस्ट) हो तो:

यदि अन्य संस्था हो तो:

यदि व्यक्तिगत संस्थापक हों

क) न्यास का नाम-

क) प्रायोजक का नाम-

क) प्रमुख संस्थापक का नाम-

ख) पञ्जीकरण नॉ.-

ख) प्रायोजक का पता-

ख) संस्थापक का पूरा पता-

ग) मुख्य न्यासी का नाम-

ग) प्रायोजक संस्थाप्रमुख का नाम-

ग) मोबाईल नॉ.-

घ) मोबाईल नॉ.-
की दिनांक-

९) क्या किसी कालखण्ड में
विद्यालय पूर्णतया बन्द रहा?
यदि हाँ तो कब से कब तक

केवल सिंघल फाउण्डेशन कार्यालय के लिये

आवेदन प्राप्ति दिनांक

आवेदन जाँच दिनांक

जाँच अधिकारी

कोड क्रमांक

डेटाबेस रिकॉर्ड नॉ.

योग्यता का निर्णय

योग्य

अयोग्य

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद
पुरस्कार-२०२३

उत्तम वेदविद्यालय
आवेदन-पत्र

पृष्ठ संख्या २ / कुल पृष्ठ ५

कोड क्रमांक

(आ) विद्यार्थी सम्बन्धित जानकारी

	ऋग्वेद	शाकल	बाष्पल	शांखायन
१) संस्था में कौन-कौन से वेद और वेदशाखाओं का अध्यापन वर्तमान में हो रहा है? कृपया ✓ चिन्ह करें	शुक्ल यजुर्वेद	काण्व	माध्यन्दिन	
	कृष्ण यजुर्वेद	तैत्तिरीय	मैत्रायणी	
	सामवेद	कौथुम	जैमिनीय	राणायणीय
	अर्थर्ववेद	शौनक	पैष्पलाद	

२) वर्तमान छात्र संख्या

वेदशाखा	संहिताध्ययन कर रहे विद्यार्थी	क्रम-अध्ययन कर रहे विद्यार्थी	घन-अध्ययन कर रहे विद्यार्थी	घन से आगे पढ़ रहे विद्यार्थी	कुल विद्यार्थी
शाकल					
बाष्पल					
शांखायन					
काण्व					
माध्यन्दिन					
तैत्तिरीय					
मैत्रायणी					
कौथुम					
जैमिनीय					
राणायणीय					
शौनक					
पैष्पलाद					

३) वर्तमान में अध्ययन कर रहे सभी विद्यार्थियों की सूची

□ अनुबन्ध-१ में संलग्न कीजिए

४) पिछले ५ वर्षों में विद्यार्थियों की स्थिति (विद्यालय के शिक्षा सत्र के अनुसार दीजिए)

वर्ष	सत्राराम्भ में विद्यार्थी संख्या	सत्र में नये विद्यार्थी जुड़े	शिक्षा पूर्ण कर जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षा पूर्ण होने से पहले छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या	सत्रान्त में विद्यार्थी संख्या
2022					
2021					
2020					
2019					
2018					

कोड क्रमांक

४) पिछले पाँच वर्षों में परीक्षा उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों की जानकारी। (कृपया इन सूचियों में उच्चतर योग्यता में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के नाम ही गिनें, अर्थात् जो मूलपाठी आगे पढ़कर क्रमपाठ की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं, उनके नाम मूलपाठियों की गिनती में न जोड़ें)

स्तर	ऋग्	शु०यजुः	कृ०यजुः	साम	अर्थर्व
मूलपाठी					
क्रमपाठी					
घनपाठी					

वेदों की समकक्षता की संलग्न सूची अनुसार

५) पिछले पाँच वर्षों में क्रमांत, घनान्त या उच्च परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सूची

अनुबन्ध-२ में संलग्न कीजिए

६) पिछले पाँच वर्षों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त पुरस्कार / सम्मानों की सूची

अनुबन्ध-३ में संलग्न कीजिए

८) विद्यार्थियों की दिनचर्या का विवरण दीजिए

(इ) अध्यापक सम्बन्धित जानकारी

१) वर्तमान में संस्था में पूर्णकालिक / अंशकालिक अध्यापकों की सूची	अनुबन्ध-४ में संलग्न कीजिए	२) पिछले ५ वर्षों में गुरुकुल छोड़ने वाले अध्यापकों की सूची	अनुबन्ध-५ में संलग्न कीजिए
३) पूर्व विद्यार्थियों के नाम जो वर्तमान में पूर्णकालिक वेदाध्यापक हैं	अनुबन्ध-६ में संलग्न कीजिए	४) विद्यालय के अध्यापकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार / सम्मानों की सूची	अनुबन्ध-७ में संलग्न कीजिए
८) अध्यापकों की दिनचर्या का विवरण दीजिए			
९) अध्यापकों द्वारा दुर्लभ वेदशाखा या उच्च वेदज्ञान के अध्ययन / अध्यापन हेतु किये जा रहे प्रयासों का विवरण दीजिए			

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद
पुरस्कार-२०२३

उत्तम वेदविद्यालय
आवेदन-पत्र

पृष्ठ संख्या ४ / कुल पृष्ठ ५

कोड क्रमांक

(ई) अन्य उल्लेखनीय जानकारी (अपना उत्तर दी गई जगह तक सीमित रखिये)

१) वेदविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य

२) संस्थान की वेदप्रसार या वेदरक्षा क्षेत्र की कोई विषेश उपलब्धियाँ जो उसे इस पुरस्कार के योग्य बनाती हों

३) जनसाधारण के लिये वेदविषयक प्रबोधन उपक्रमों का विवरण

५) पिछले पाँच वर्षों में निष्पादित वेद सम्बन्धित कार्यक्रमों (पारायण, स्वाहाकार इत्यादि) का विवरण

६) विद्यालय द्वारा प्राप्त पुरस्कार / सम्मानों की सूची

अनुबन्ध-८ में संलग्न कीजिए

४) आपके विद्यालय की पाँच ऐसी उपलब्धियाँ बतायें जिनसे आप स्वयं गौरवान्वित हैं।

<p>भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३</p>	<p>उत्तम वेदविद्यालय आवेदन=पत्र</p>	<p>पृष्ठ संख्या ५ / कुल पृष्ठ ५</p>
	<p>कोड क्रमांक</p>	

(3) आवेदन-पत्र से संलग्न आलेखों की सूची

पृष्ठ संख्या ५ / कुल पृष्ठ ५

कोड क्रमांक

(3) आवेदन-पत्र से संलग्न आलेखों की सूची

आवेदनपत्र के साथ संलग्न प्रमाणपत्र की प्रतिलिपियों का विवरण(प्रमाणपत्र का नाम यथा- शास्त्री, आचार्य, संहिता, पद, क्रम, घन, पुरस्कार, सम्मान इ.)देते हुए संलग्न क्रमसंख्या(जिस क्रम पर प्रतिलिपि संलग्न की गई है) का उल्लेख करें-(आवश्यकता होने पर अतिरिक्त पृष्ठ जोड़े)

(अ) शपथ-पत्र

मैं (संस्था प्रमुख का पूरा नाम) _____ एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि:

- इस वेद विद्यालय में वेदाध्यापन पिछले ____ वर्षों से निरन्तर चल रहा है;
 - इस आवेदन पत्र में दी गई सभी जानकारी पूर्णतया सत्य है; तथा
 - इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाण-पत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि इस शपथ-पत्र में दी गई कोई भी जानकारी असत्य पाई गई तो यह विद्यालय, इसमें कार्यरत सभी अध्यापक व अध्ययन कर रहे सभी विद्यार्थी हमेशा के लिये भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माने जा सकते हैं।

मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

मैं इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूँ।

संस्था प्रमुख का परा नाम

संस्थाप्रमुख के हस्ताक्षर

